दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों का प्रयोग करें किसान, पैदावार के साथ बढ़ेगी आय

ग्राम बैरी सवाई विकासखंड मैथा में दलहन जायद गोष्ठी का आयोजन किया गया

मूंग-उर्द उत्पादन तकनीकि

किसानों को सम्बोधित करते वैज्ञानिक।

कानपुर, 12 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग की ओर से ग्राम बैरी सवाई विकासखंड मैथा में एक दलहन जायद गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में वैज्ञानिक डॉ हरीश चंद्र सिंह ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ. ए. के. श्रीवास्तव ने दलहन फसलों जैसे मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजाति श्वेता, विराट, शिखा, कनिका के बारे में जानकारी दी। सीएसए के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को जैविक खाद प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों जैसे राइजोबियम कल्चर के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। कृषि वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। बीज प्रमाणीकरण संस्था के उपनिदेशक डॉ मुख्त्यार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं पंजीकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दें। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने किसानों को उर्द मूंग के महत्व एवं उसकी तकनीतियों के बारे में बताया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान जयपाल सिंह यादव ने की। उन्होंने किसानों से नई तकनीकों को अपनाने की सलाह दी जिससे किसानों की आय में बढ़ोतरी हो सके। इस अवसर पर कृषक रामसेवक कश्यप, राम सजीवन कुशवाहा, शिवनारायण पाल, रमेश चंद्र मिश्रा, राजा चौरसिया एवं कामता मिश्रा सहित क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन डा. खलील खान ने किया।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

सैकड़ों कांग्रेसियों को कम्युनिस्टों ने मारा... 12

शांतिपुरम के हुक्काबार में पुलिस का छापा, चार... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 123
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
सोमवार | 13 फरवरी, 2023

फसल बोने से पहले मृदा परीक्षण की सलाह दी

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम बैरी सवाई विकासखंड मैथा में बीते दिन रविवार को दलहन जायद गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें वैज्ञानिक डॉ. हरीश चंद्र सिंह ने किसानों को फसल बुवाई से पहले मृदा परीक्षण कराने और उसकी बारीकियों के बारे में जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ.ए.के.श्रीवास्तव ने दलहन फसलों मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों श्वेता, विराट, शिखा, कनिका के बारे में जानकारी देते हुए किसानों को जागरूक किया।

दलहनी फसलों में करें जैव उर्वरकों का प्रयोग, होगा अधिक लाभ

मूंग-उर्द उत्पादन तकनीकि
REDMI NOTE 8 PRO

डीटीएनएन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम बैरी सवाई विकासखंड मैथा में एक दलहन जायद गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर म वैज्ञानिक डॉ हरीश चंद्र सिंह ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी ।दलहन वैज्ञानिक डॉक्टर एके श्रीवास्तव ने दलहन फसलों जैसे मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजाति श्वेता, विराट, शिखा, कनिका के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को जैविक खाद प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों जैसे राइजोबियम कल्चर के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी ।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। इस अवसर पर बीज प्रमाणीकरण संस्था के उपनिदेशक डॉ मुख्त्यार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं पंजीकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दें। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने किसानों को उर्द मूंग के महत्व एवं उसकी तकनीतियों के बारे में बताया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान श्री जयपाल सिंह यादव ने की। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें ।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ खलील खान द्वारा किया गया। इस अवसर पर कृषक रामसेवक कश्यप, राम सजीवन कुशवाहा, शिवनारायण पाल, रमेश चंद्र मिश्रा, राजा चौरसिया एवं कामता मिश्रा सहित क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

WORLD खबर EXPRESS
WORLD खबर एक्सप्रेस

दलहनी फसलों में करें जैव उर्वरकों का प्रयोग, होगा अधिक लाभ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम बैरी सवाई विकासखंड मैथा में एक दलहन जायद गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर म वैज्ञानिक डॉ हरीश चंद्र सिंह ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।दलहन वैज्ञानिक डॉक्टर एके श्रीवास्तव ने दलहन फसलों जैसे मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजाति श्वेता, विराट, शिखा, कनिका के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को जैविक खाद प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों जैसे राइजोबियम कल्चर के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। इस अवसर पर बीज प्रमाणीकरण संस्था के उपनिदेशक डॉ मुख्त्यार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं पंजीकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दें। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने किसानों को उर्द मूंग के महत्व एवं उसकी तकनीतियों के बारे में बताया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान श्री जयपाल सिंह यादव ने की। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ खलील खान द्वारा किया गया। इस अवसर पर कृषक रामसेवक कश्यप, राम सजीवन कुशवाहा, शिवनारायण पाल, रमेश चंद्र मिश्रा, राजा चौरसिया एवं कामता मिश्रा सहित क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

मूंग-उर्द उत्पादन तकनीक